# ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना!

ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना!
कमीज़ के बटन, ऊपर नीचे लगाना!
वो अपने बाल खुद न काढ़ पाना
पी. टी. शूज को चॉक  से चमकाना
वो काले जूतों को पैन्ट से पोंछते जाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना
वो टिन के डिब्बे को फुटबॉल बनाना
ठोकर मार मार कर उसे घर तक ले जाना
साथी के बैठने से पहले बेंच सरकाना
और उस के गिरने पर जोर से खिलखिलाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना
वो बड़े नाखूनों को दांतों से चबाना
और लेट जाने पर मैदान का चक्कर लगाना
वो प्रेयर के समय क्लास में ही रुक जाना
और पकडे जाने पर पेट दर्द का बहाना बनाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना
गुस्से में एक दूसरे की कमीज़ पर स्याही छिड़कना
वो लीक करते पेन को बालों से पोंछते जाना
बाथरूम में सूतली बम पर अगरबत्ती लगा कर छिपना
और उस के फटने पर कितना मासूम बन जाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना
वो बेर वाली के बेर चुपके से चुराना
लाल पीला चूरन खा कर एक दुसरे को जीभ दिखाना
खट्टी मीठी इमली देख जमकर लार टपकाना
साथी से आइस क्रीम खिलाने की मिन्नतें करते जाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना
वो गेम पीरियड के लिए सर को पटाना
यूनिट टेस्ट को टालने के लिए उन से गिडगिडाना
जाड़ों में बाहर धूप में क्लास लगवाना
और उनसे घर परिवार के किस्से सुनते जाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना

वो लंच से पहले ही टिफ़िन चट कर जाना
अचार की खुशबू पूरी क्लास में फैलाना
वो पानी पीने में जम कर देर लगाना
वो वाटर कूलर से प्यार जताना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना
वो परीक्षा से पहले गुरूजी के चक्कर लगाना
लगातार बस इम्पोर्टेन्ट ही पूछते जाना
वो उनका पूरी किताब में निशान लगवाना
और हमारा ढेर सारे कोर्स को देख कर सर चकराना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना
वो मेरे स्कूल का मुझे यहाँ तक पहुँचाना
और मेरा खुद में खोकर स्कूल को भूल जाना
बाज़ार में किसी परिचित से टकराना
वो जवान गुरूजी का बूढा चेहरा सामने आना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से बुलाना
तुम सब अपने स्कूल एक बार ज़रूर जाना
एक बार ज़रूर जाना ..... एक बार ज़रूर जाना.....

रवि भरद्वाज
क्लास: १२वीं (कला)
पल्लवन विद्यालय
झालावाड़, राजस्थान